

आगम पद्यानाम् अकारादिक्रमेण अनुक्रमणिका

अ					
अंकारं धनं ईकारं	(अनु.) २३	अंतलिक्खति णं बूआ,	(द.वै.) ३३०	अंबे अंबरिसी चेव, सामे	(सू.नि.) ६६
अंकुरा खंधखंधीयो	(इसि.) १११४	अंताणि धीरा सेवन्ति,	(सूत्र.) ६२१	अंबे अंबरिसे चेव सामे	(भग.) २७
अंगतूणं समुग्धातं, अणता	(प्रज्ञा.) २३०	अंतिअईतिअउंतिअअंता उ	(अनु.) २०		
अंग दसभाग भेए	(उ.नि.) १५६	अंतिमकोडाकोडीए	(विशे.) ११९४		
अंगपच्चंगसंठाणं, चारु-	(द.वै.) ३९२	अंतिमतंतू न पडो	(विशे.) २३५२		
अंगपच्चंगसंठाणं, चारु-	(उत्त.) ४९५	अंतेउरप्पवेसो वायणिमित्तं	(ओघ.) भा.२६		
अंगप्पभवा जिण-	(उ.नि.) ४	अंतेच्चिय आरद्धो	(विशे.) २३१७		
अंगसुयंक्खंधंज्जयणाणं	(विशे.) १४९४	अंते व सव्वनासो	(विशे.) २४१३		
अंगाइपण्हकाले	(विशे.) ९८०	अंतो चउरंसा खलु अहिय-	(दे.प.) ३३	अइक्खडं व किरियं	(विशे.) १०४५
अंगाइसुत्तरयणा	(विशे.) ११२३	अंतो नियंसणी पुण	(ओघ.) भा.३१६	अइगंतूण अलोणं	(विशे.) ६०४
अंगाणं किं सोरो ? आयारो,	(आचा.) १६	अंतो बहिं च धोअं	(आ.नि.) १३५२	अइतिक्खं दुक्खं जं जं	(भ.प.) १५२
अंगाणंगपट्टि	(विशे.) ५२७	अंतो बहिं च भिन्नं अंडा	(आ.नि.) १३५४	अइतिक्खकंटाइण्णे,	(उत्त.) ६३४
अंगारत्तमपत्तं जलमाणं	(पि.नि.) ६५६	अंतो मणुस्सखेते हवन्ति	(सूर्य.) ७७	अइदुल्लहभेसज्जं बलबुद्धि-	(ग.प.) ९२
अंगारधूवियाई अणंतरो	(पि.नि.) ५६०	अंतो मणुस्सखेते हवन्ति	(जीवा.) ७१	अइदूरगमणफिडिओ	(ओघ.) भा.२१८
अंगुट्ठपुसिणिमज्झिमाए	(ओघ.) ३९१	अंतो मणुस्सखेते हवन्ति	(दे.प.) १४७	अइदूरजलंतरीया कम्मा-	(पि.नि.) ३३७
अंगुट्ठमुट्ठिगंठीघरसेउस्सास-	(आ.नि.) १५७८	अंतोमुहुत्तकालं चित्त-	(आ.नि.) १४६३	अइभार चुडण पणए	(पि.नि.) २५
अंगुलं सत्तरत्तेणं,	(उत्त.) ९८७	अंतोमुहुत्तकालो होइ	(जीवा.) ९०	अइभार चुडण पणए	(ओघ.) ३५०
अंगुलं सत्तरत्तेणं,	(ओघ.) २८५	अंतोमुहुत्तमद्धं लेसाण	(उत्त.) १३०८	अइभारेण उ इरियं	(ओघ.) १८८
अंगुलमावलिआणं	(नन्दी) ५०	अंतोमुहुत्तमद्धं सेलेसीए	(सू.नि.) १७६	अइभूमिं न गच्छेज्जा,	(द.वै.) ८३
अंगुलमावलियाणं	(विशे.) ६०८	अंतोमुहुत्तमेव य	(विशे.) ३१३०	अइमसिट्ठं पडिकुट्ठं	(पि.नि.) ३७७
अंगुलमावलियाणं,	(आ.नि.) ३२	अंतोऽवयवो न कुणइ	(विशे.) २३५१	अइमाणं च मायं च, तं	(सूत्र.) ४७२
अंगुल विहत्थि रयणी	(अनु.) ९५	अंतोवि अत्थि कम्मं	(विशे.) २३५०	अइमाणं च मायं च तं	(सूत्र.) ५३०
अंगुलियाए घेतुं कइद्धइ	(पि.नि.) २८७	अंतो साईआओ बाहिरपासे	(आचा.) ४५	अइयारा छेदंता	(विशे.) १२५०
अंगुलिरिजुतानियय०	(विशे.) २१६६	अंतो हिअयसंभूया, लया	(उत्त.) ८५८	अइरं फलाइपिहितं	(पि.नि.) ५६१
अंजणगुणसुविसुद्धं	(त.प.) १००	अंधयारे तमे घोरे,	(उत्त.) ८८८	अइरित्त अहिगमासा	(दश.) ३६२
अंजणस्स खयं दिस्स	(इसि.) २८१२२	अंधिय पोत्तिय मच्छिय	(प्रज्ञा.) १११	अइरुगयए य सूरिए,	(उ.नि.) १३४
अंडगमुज्झियकप्पे न य	(आ.नि.) भा.२१९	अंधिया पुत्तिया चेव,	(उत्त.) १५०१	अइरेगगहण उग्गाहिएण	(ओघ.) ३११
अंतं करंति दुक्खाणं,	(सूत्र.) ६२३	अंधो अंधं पहं णितो,	(सूत्र.) ४६	अइरेगोवहिपडिलेहणाए	(ओघ.) १३२
अंतंतं भोक्खामित्ति बेसए	(ओघ.) ५७२	अंधोऽणवबोहो च्विय	(विशे.) ११५४	अइवत्तियं अणाउट्ठं	(आ.) ५८
अंतए वित्तिगिच्छाए, से	(सूत्र.) ६०८	अंबद्धा य कलंदा य	(स्था.) ४०	अइसंकडपुरदाहम्मि	(विशे.) ११६२
अंतगयफिफ्फिसाणि य	(सू.नि.) ७१	अंबद्धा य कलिदा य	(प्रज्ञा.) ११९	अइसयकओवओगो	(विशे.) २२९०
अंतमुहुत्तंमि गए अंत-	(उत्त.) १३३३	अंबदुग्गनिसाया य	(आचा.) २२	अइसयचरणसमत्था	(विशे.) ७८६
अंतम्मि उवण्णसिय	(विशे.) १३५५	अंबड दारुमडे या साई-	(सम.) १५५	अइसेसइड्डियायरियवाइ-	(दश.) १८३
अंतरपल्लीगहियं पढमा-	(ओघ.) २५४	अंबत्तणेण जीहाए	(विशे.) १४६७	अइसेस देवया वा निमित्त-	(ओघ.) भा.१६
अंतरमेगं समयं जहन्न-	(आ.नि.) भा.१६६	अंबस्स य निबस्स य	(आ.नि.) १११६	अइसेसिओ व सेहं असई	(ओघ.) भा.३०
		अंबस्स य निबस्स य दुणहं पि	(ओघ.) ७७१	अइसेसे उप्पण्णे होही	(उ.नि.) २५९
		अंबे अंबरिसी चेव	(सम.) ११	अ(इ)ह भवे पइना उ,	(उत्त.) ८४६

अईअंमि य कालंमि,	अ	अज्जए पज्जए वावि, वप्पो
अईअंमि य कालंमि, (द.वै.) २८५	अक्खे वराडए वा कट्टे (आ.नि.) १४३२	अच्चंतनियणक्खमा, एसा (उत्त.) ५८१
अईअंमि य०। जत्थ संका (द.वै.) २८६	अक्खे वराडए वा कट्टे (ओघ.) ३३५	अच्चंतमणुवलद्धो (विशे.) १७८७
अईयंमि य०। निस्संकिअं (द.वै.) २८७	अक्खोभ सागरे खलु (अन्त.) ३	अच्चंतमणुवलद्धो (विशे.) १९१४
अउणाणउइ सहस्सा (दे.प.) २०६	अक्खोवंगो, वणे लेवो (इसि.) ४५।४८	अच्चणं रयणं चेव, (उत्त.) १३५२
अउणापणं जुअले पुत्ताण (आ.नि.) १९७	अक्खोवज्जणमादाय (इसि.) ४।२४	अच्चत्थदुक्खिया जे (विशे.) १९००
अउणासीइ सहस्सा (जंबू.) १	अगंधणे कुले जातो (इसि.) ४५।४०	अच्चब्भुयगुणवन्ते नियजस - (च.प.) २१
अकयंपि नेय कीरइ (विशे.) ३३६६	अगणितो निक्खंतो विहरइ (सू.नि.) १९५	अच्चासण्णनिरोहे दुक्खं (ओघ.) ३२७
अकयद्दारमनगरं (विशे.) ९०८	अगणिअ जो मुखसुहं (भ.प.) १३८	अच्चाहारो न सहे (आ.नि.) १२६६
अकयमसुद्धनयाणं (विशे.) ३३७०	अगणिणिव्वावणे चेव, (उ.नि.) ४५५	अच्चित्तं पुण विरियं (सू.नि.) ९२
अकरंडगमि भाणे (ओघ.) ६९१	अगणिस्स य उट्ठाणं (आ.नि.) भा.१०	अच्चित्तमक्खियमि उ (पि.नि.) ५३७
अकलेवरसेणिमूयिया, (उत्त.) ३०६	अगणीओ छिदिज्ज व (आ.नि.) १५१६	अच्चेइ कालो तूरति (उत्त.) ४१८
अकसाइ सव्वत्थोवा (जीवा.) ९२	अगणीण व तेणेहि (ओघ.) ४३९	अच्चेमु ते महाभाग !, (उत्त.) ३७४
अकसाइ विगयगेही य (आ.) १०९	अगरूवरपरधूवण (ज्ञाता.) ४५	अच्छउ तावुग्घाओ (विशे.) १३४८
अकसाय अहक्खायं, छउ- (उत्त.) १०७५	अगविट्ठस्स उ गहणं न (पि.नि.) ७८	अच्छि पव्वं बलिमोडओ (प्रज्ञा.) ९३
अकसायमहक्खायं (विशे.) १२४७	अगारमावसंतावि, अरणा (सूत्र.) १९	अच्छिज्जंपिय तिविहं पभू (पि.नि.) ३६६
अकसिणपवत्तगाणं विरया- (आ.नि.) भा.१९४	अगारिसामाइयंगाई सट्ठी (उत्त.) १५०	अच्छिनिमीलियमेत्तं नत्थि (जीवा.) २१
अकामए पव्वइए (इसि.) १४।३	अगिद्धे सदपासेसु, आरंभे- (सूत्र.) ४७१	अच्छिमलो कन्नमलो खेलो (त.प.) १२१
अकाले चरसी भिक्खु !, (द.वै.) १६४	अगीयत्थकुसीलेहिं, (ग.प.) ४८	अच्छिरे माहले अच्छि (उत्त.) १५०३
अकिच्चाणं समुग्घायं (औप.) ८	अगीयत्थस्स वयणेणं, (ग.प.) ४६	अच्छे अ सूरिआवत्ते (जंबू.) ६७
अकुमार खयं जोणी (पि.नि.) प्र. ६	अगुत्ती बंभचेरस्स, इत्थीओ (द.वै.) २६७	अच्छेरगमब्भुदए, भोए (उत्त.) २६२
अकुमारभूए जे केई, (सम.) ३२	अगुरुलहुग्गहणं (विशे.) ६७९	अच्छेरयं च लोए ताण (म.प.) ४४७
अकुव्वओ णवं णत्थि, (सूत्र.) ६१३	अगुरुलहुसमारद्धो (विशे.) ६५६	अच्छेरयाइ किची (विशे.) ३१७१
अकुसीले सया भिक्खु, (सूत्र.) ४६४	अगुरुवरपरधूवणउउय- (ज्ञाता.) ३७	अच्छोडपिट्ठणासु य (ओघ.) ३५८
अकूडत्तं च कूडेसुं (इसि.) २६।१०	अगं वणिएहिं आहियं, (सूत्र.) १४५	अच्छोडपिट्ठणासु य न (पि.नि.) ३४
अक्कडेउचिरमभाविय (आ.प.) ५३	अगंबीया मूलबीया खंध- (आचा.) १३०	अजयं आसमाणो य, (द.वै.) ३४
अक्कतधंतधाणे देहाणुगए (पि.नि.) ४०	अगलं फलिहं दारं, (द.वै.) १६८	अजयं चरमाणो य (उ), (द.वै.) ३२
अक्कोसवहं विदितु धीरे, (उत्त.) ४७८	अगि पयावइ सोमे (अनु.) ८९	अजयं चिट्ठमाणो य, (द.वै.) ३३
अक्कोसेज्ज परो भिक्खुं, (उत्त.) ७२	अगिगमि य उदयमि य (म.प.) २८६	अजयं भासमाणो य, (द.वै.) ३७
अक्खगुणमतिसंधायणाए (सू.नि.) २०	अगिगमि हवी हुयइ (दश.) १००	अजयं भुंजमाणो य, (द.वै.) ३६
अक्खरलंभेण समा (विशे.) १४३	अगियए पव्वयए बहुली (आ.नि.) १२९२	अजयं सयमाणो य, (द.वै.) ३५
अक्खरलंभो सण्णीणं (विशे.) ४७४	अगिगस्स दाहिणे पासे (भग.) ७०	अजयणाए पकुव्वंति, (ग.प.) १२०
अक्खर सण्णी सम्मं, (आ.नि.) १९	अगिहवणांइकिरिया (विशे.) १५९२	अजराउ तित्ति पोरिसि (आ.नि.) भा.२२०
अक्खरसण्णी सम्म (विशे.) ४५४	अगिहुत्तमुहा वेया, (उत्त.) ९४५	अजहन्नमणुक्कोसं, तितीसं (उत्त.) १५९८
अक्खर सन्नी संमं सादियं (आ.नि.) ८६२	अगो य इइ के वुत्ते ? (उत्त.) ८६५	अजाणगा जन्नवाई, विज्जा- (उत्त.) ९४७
अक्खरसन्नी सम्मं (विशे.) २७८५	अगोणीअमि य जहा (आ.नि.) १०२२	अजाणिआ जहा जा होइ (नन्दी) ४६
अक्खर सन्नी सम्मं साईयं (नन्दी) ८६	अघणघणचारिगणे छाय (पि.नि.) १७५	अजिअस्स कुमारत्तं (आ.नि.) २७८
अक्खरसमं पदसमं (अनु.) ५०	अचयंता व लूहेणं, (सूत्र.) २०२	अजिइंदियसोवहिया वहगा (दश.) १४४
अक्खरसरणेण सरा (विशे.) ४६१	अचित्तं तु समासज्ज (आ.) ३७	अजियप्पओगकरणं दव्वे (उ.नि.) १९५
अक्खलिअसंहिआई (आ.नि.) १०१५	अचियत्तमंतरायं तेनाहड (पि.नि.) ३७३	अजीवं परिणयं नच्चा, (द.वै.) १३६
अक्खस्स पोगालकया (विशे.) ९०	अचिरोववन्नगाणं (आ.नि.) १४८२	अजीवकम्मनो दव्वलेसा (उ.नि.) ५३९
अक्खाणेयाणि परत्थिगाणि (दश.) भा.१८	अचेलओ य जो धम्मो, जो (उत्त.) ८४२	अजुगलिया अतुरंता विकहा- (ओघ.) ३१३
अक्खेवणीअक्खिता जे (दश.) २०५	अचेलगस्स लूहस्स, (उत्त.) ८२	अजोगरूवं इह संजयाणं, (सूत्र.) ६९८
अक्खेवनिण्णयपसं० (विशे.) १४४४	अचेलगो अ जो धम्मो, जो (उत्त.) ८२६	अज्ज आहं गणी हुं तो, (द.वै.) ४९०
अक्खे वराडए वा (पि.नि.) ७	अच्चंतकालस्स समूलयस्स, (उत्त.) ११३८	अज्जए पज्जए वावि, वप्पो (द.वै.) २९५